

### हिन्दी में पत्र-व्यवहार

२५४८. { श्री क० भे० जालंधर :  
श्री मानकनाई मंत्रालय :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जिन राज्यों ने हिन्दी को राज-भाषा स्वीकार कर लिया है, उनसे भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दी में पत्र आते हैं ;

(ख) यदि हां, तो कत दो वर्षों में मंत्रालयों में ऐसे कितने पत्र हिन्दी में प्राप्त हुए ;

(ग) कितने पत्रों के उत्तर हिन्दी में भेजे गये और कितने पत्रों के अंग्रेजी में ; और

(घ) जिन राज्यों ने हिन्दी को राज-भाषा स्वीकार कर लिया है उनसे प्राप्त हिन्दी के पत्रों के उत्तर हिन्दी में भेजने के लिये विभिन्न मंत्रालयों में क्या व्यवस्था की गई है ?

गृह-कार्य मंत्री: (ए डेप्टी सी० ए० बन्त):

(क) जी हां, कभी कभी ।

(ख) और (ग). निश्चित सूचना प्राप्त नहीं है ।

(घ) जिन मंत्रालयों में हिन्दी का काफी काम होता है वहाँ इस कार्य के लिए विशेष कर्मचारी हैं । दूसरे मंत्रालयों में हिन्दी जानने वाले कर्मचारी हिन्दी में भेजे जाने वाले उत्तरों को तैयार करने में सहायता करते हैं ।

### Rourkela Steel Plant

2549. Shri Sanganna: Will the Minister of Steel, Mines and Fuel be pleased to state:

(a) the total amount of debt secured from West Germany for Rourkela

Steel Plant which is at present outstanding; and

(b) the date of repayment?

The Minister of Steel, Mines and Fuel (Sardar Swaran Singh): (a) and (b). According to the agreement concluded with the Federal Republic of Germany, payments falling due to German suppliers after 1st November, 1957, upto a maximum of DM 660 million, are to be deferred by three years. Promissory notes are to be issued in lieu of cash payments; and the promissory notes are to be redeemed three years from the date of issue.

### Development of Wind Power

2550. Shri Ram Krishan: Will the Minister of Scientific Research and Cultural Affairs be pleased to state the main features of the scheme for development of wind power during the Second Five Year Plan period?

The Minister of Scientific Research and Cultural Affairs (Shri Hamayun Kabir): The main features of the Scheme are:—

- (i) Development of low-cost wind-mills and accessories making use of indigenous materials for various purposes such as pumping water, grinding corn, oil extraction, small scale generation of electricity etc.
- (ii) Experimental pilot installations of low cost windmills
- (iii) Detailed wind velocity survey of promising regions in India.
- (iv) Formation of a separate Wind Power Division under the Council of Scientific and Industrial Research at Bhanagar in order to implement the programme